

MGPE : 11

मानव सुरक्षा Human Security

Revision Class for December Exam

Answers in Hindi & English both

"Food security is a corner stone for human security." Discuss

"खाद्य सुरक्षा मानव सुरक्षा की आधारशिला है।" चर्चा कीजिए।

1. Definition of Food Security (खाद्य सुरक्षा की परिभाषा): Food security is defined as a situation where all people, at all times, have physical, social, and economic access to sufficient, safe, and nutritious food to meet their dietary needs for an active and healthy life.

खाद्य सुरक्षा वह स्थिति है जिसमें सभी लोगों को, हमेशा, शारीरिक, सामाजिक और आर्थिक रूप से पर्याप्त, सुरक्षित और पौष्टिक भोजन प्राप्त होता है, ताकि वे सक्रिय और स्वस्थ जीवन जी सकें।

2. Interconnection between Food Security and Human Security (खाद्य सुरक्षा और मानव सुरक्षा के बीच संबंध): Human security encompasses the protection of individuals' freedom from fear, want, and the ability to live with dignity. Food security is essential for achieving human security because without access to food, individuals cannot live with dignity or sustain their physical and mental well-being.

मानव सुरक्षा में व्यक्तियों की भय, अभाव से मुक्ति और गरिमापूर्ण जीवन जीने की क्षमता की रक्षा शामिल है। खाद्य सुरक्षा मानव सुरक्षा के लिए आवश्यक है क्योंकि भोजन की पहुंच के बिना, व्यक्ति गरिमापूर्ण जीवन जीने या अपनी शारीरिक और मानसिक भलाई को बनाए रखने में सक्षम नहीं हो सकते हैं।

3. Food as a Basic Human Need (खाद्य एक बुनियादी मानवीय आवश्यकता है): Food is one of the most fundamental human needs. Without it, people cannot survive or function effectively in society. Hence, ensuring that everyone has access to food is a key aspect of human security.

भोजन मानव की सबसे बुनियादी आवश्यकता है। इसके बिना, लोग जीवित नहीं रह सकते या समाज में प्रभावी रूप से कार्य नहीं कर सकते हैं। इसलिए यह सुनिश्चित करना कि हर किसी को भोजन मिल सके, मानव सुरक्षा का एक महत्वपूर्ण पहलू है।

4. Food Security as a Driver of Economic Growth (खाद्य सुरक्षा आर्थिक विकास का चालक है): Access to adequate food enables people to work productively, generate income, and

contribute to economic development. Strong food security supports healthier populations, which in turn boosts economic stability and prosperity.

पर्याप्त भोजन की पहुंच लोगों को उत्पादक रूप से काम करने, आय उत्पन्न करने और आर्थिक विकास में योगदान करने में सक्षम बनाती है। मजबूत खाद्य सुरक्षा स्वस्थ जनसंख्या का समर्थन करती है, जो बदले में आर्थिक स्थिरता और समृद्धि को बढ़ावा देती है।

6. Global Challenges to Food Security (खाद्य सुरक्षा के वैश्विक चुनौती): Climate change, poverty, conflicts, and political instability are major global threats to food security. Addressing these issues is critical to ensuring food security, which in turn ensures human security.

जलवायु परिवर्तन, गरीबी, संघर्ष और राजनीतिक अस्थिरता खाद्य सुरक्षा के प्रमुख वैश्विक खतरे हैं। इन मुद्दों को संबोधित करना खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण है, जो बदले में मानव सुरक्षा को सुनिश्चित करता है।

Elaborate the goals set by the UN for ensuring human security.

मानव सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए संयुक्त राष्ट्र द्वारा निर्धारित लक्षण को विस्तृत कीजिए।

1. Protection from Persistent Threats (स्थायी खतरों से सुरक्षा): The UN emphasizes the protection of individuals from persistent threats such as hunger, disease, and violence. These threats undermine people's ability to live safely and with dignity. Human security aims to eliminate these threats through sustainable development, social protection, and peacebuilding efforts.

संयुक्त राष्ट्र व्यक्तियों को स्थायी खतरों जैसे भूख, बीमारी और हिंसा से सुरक्षा देने पर जोर देता है। ये खतरे लोगों की सुरक्षा और गरिमापूर्ण जीवन जीने की क्षमता को कमजोर करते हैं। मानव सुरक्षा का उद्देश्य इन खतरों को स्थायी विकास, सामाजिक सुरक्षा और शांति निर्माण प्रयासों के माध्यम से समाप्त करना है।

2. Empowerment and Access to Basic Needs (सशक्तिकरण और बुनियादी आवश्यकताओं की पहुंच): The UN's human security framework stresses the importance of empowering people to exercise their rights and fulfill their basic needs. This includes access to food, clean water, shelter, education, and healthcare. Ensuring these basic needs is a critical part of ensuring human dignity.

संयुक्त राष्ट्र के मानव सुरक्षा ढांचे में लोगों को उनके अधिकारों का प्रयोग करने और बुनियादी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए सशक्त बनाने पर जोर दिया गया है। इसमें भोजन, स्वच्छ जल, आवास, शिक्षा और स्वास्थ्य देखभाल की पहुंच शामिल है। इन बुनियादी आवश्यकताओं को सुनिश्चित करना मानव गरिमा सुनिश्चित करने का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है।

3. Economic Security and Livelihoods (आर्थिक सुरक्षा और आजीविका): Economic security is another key objective. The UN aims to create opportunities for individuals to earn a living and secure their livelihoods, especially for the marginalized and vulnerable groups. Economic security involves access to stable employment, income, and social protection systems that help people withstand shocks and risks.

आर्थिक सुरक्षा एक अन्य महत्वपूर्ण उद्देश्य है। संयुक्त राष्ट्र का उद्देश्य व्यक्तियों के लिए आजीविका कमाने और उनकी आजीविका को सुरक्षित करने के अवसर प्रदान करना है, खासकर हाशिए पर रहने वाले और संवेदनशील समूहों के लिए। आर्थिक सुरक्षा में स्थिर रोजगार, आय और सामाजिक सुरक्षा प्रणालियों तक पहुंच शामिल है जो लोगों को झटकों और जोखिमों से निपटने में मदद करती हैं।

4. Environmental Security (पर्यावरण सुरक्षा): The UN stresses the importance of environmental security, which involves protecting the environment from degradation, climate change, and natural disasters. Ensuring a safe and healthy environment is crucial for the survival and well-being of future generations.

संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण सुरक्षा के महत्व पर जोर देता है, जो पर्यावरण को हानि, जलवायु परिवर्तन और प्राकृतिक आपदाओं से बचाने से संबंधित है। एक सुरक्षित और स्वस्थ पर्यावरण सुनिश्चित करना भविष्य पीढ़ियों के अस्तित्व और भलाई के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है।

5. Conflict Prevention and Peacebuilding (संघर्ष निवारण और शांति निर्माण): One of the primary goals of the UN is to prevent conflicts and build sustainable peace. Human security focuses on creating conditions that prevent the outbreak of violence and address the root causes of conflicts, such as inequality, injustice, and lack of access to resources.

संघर्षों को रोकना और स्थायी शांति बनाना संयुक्त राष्ट्र के प्राथमिक लक्ष्यों में से एक है। मानव सुरक्षा का उद्देश्य उन परिस्थितियों का निर्माण करना है जो हिंसा के प्रकोप को रोकें और संघर्षों के कारणों जैसे असमानता, अन्याय और संसाधनों की कमी का समाधान करें।

6. Health Security (स्वास्थ्य सुरक्षा): Health security is an integral part of human security. The UN works toward ensuring that people have access to healthcare services, especially in the face of pandemics, disease outbreaks, and other health emergencies. This is essential for safeguarding human life and well-being.

स्वास्थ्य सुरक्षा मानव सुरक्षा का एक अभिन्न हिस्सा है। संयुक्त राष्ट्र यह सुनिश्चित करने के लिए काम करता है कि लोगों को स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच हो, विशेष रूप से महामारियों, रोगों के प्रकोप और अन्य स्वास्थ्य आपात स्थितियों के दौरान। यह मानव जीवन और भलाई की सुरक्षा के लिए आवश्यक है।

7. Human Rights and Social Justice (मानवाधिकार और सामाजिक न्याय): A core objective of the UN is the promotion of human rights and social justice. Human security can only be achieved when individuals are treated with dignity and their rights are protected. The UN promotes policies and programs that ensure equality, non-discrimination, and justice for all.

संयुक्त राष्ट्र का एक मुख्य उद्देश्य मानवाधिकारों और सामाजिक न्याय को बढ़ावा देना है। मानव सुरक्षा तभी प्राप्त की जा सकती है जब व्यक्तियों के साथ गरिमा के साथ व्यवहार किया जाए और उनके

अधिकारों की रक्षा की जाए। संयुक्त राष्ट्र ऐसी नीतियों और कार्यक्रमों को बढ़ावा देता है जो सभी के लिए समानता, भेदभाव की समाप्ति और न्याय सुनिश्चित करते हैं।

8. Education and Awareness (शिक्षा और जागरूकता): The UN aims to promote education and raise awareness about human security issues. Education is critical for empowering individuals to protect themselves from various risks, including violence, exploitation, and environmental disasters. It also helps to build more resilient communities.

संयुक्त राष्ट्र का उद्देश्य मानव सुरक्षा के मुद्दों पर शिक्षा बढ़ाना और जागरूकता उत्पन्न करना है। शिक्षा व्यक्तियों को विभिन्न जोखिमों से बचने के लिए सशक्त बनाने के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है, जिसमें हिंसा, शोषण और पर्यावरणीय आपदाएं शामिल हैं। यह अधिक सक्षम और लचीली समुदायों का निर्माण करने में भी मदद करता है।

Explain the various causes of terrorism.

आतंकवाद के विभिन्न कारणों की व्याख्या कीजिए।

1. Political Grievances and Ideological Beliefs (राजनीतिक शिकायतें और वैचारिक विश्वास): Terrorism often stems from political oppression or denial of rights. Radical ideologies can also lead individuals to resort to violence to promote their cause.

आतंकवाद अक्सर राजनीतिक उत्पीड़न या अधिकारों से वंचित होने से उत्पन्न होता है। कट्टरपंथी विचारधाराएँ भी हिंसा का सहारा लेने के लिए प्रेरित कर सकती हैं।

2. Social and Economic Inequality (सामाजिक और आर्थिक असमानता): Economic deprivation and social inequality can lead to frustration, making individuals more vulnerable to extremist ideologies.

आर्थिक कंगाली और सामाजिक असमानता असंतोष उत्पन्न कर सकती हैं, जिससे व्यक्ति कट्टरपंथी विचारधाराओं के प्रति संवेदनशील हो सकते हैं।

3. Religious and Cultural Factors (धार्मिक और सांस्कृतिक कारक): Religious extremism and the desire to protect cultural identity can inspire violent actions in the name of faith or tradition.

धार्मिक उग्रवाद और सांस्कृतिक पहचान की रक्षा करने की इच्छा विश्वास या परंपरा के नाम पर हिंसक कार्यों को प्रेरित कर सकती है।

4. Psychological Factors and Trauma (मनोवैज्ञानिक कारण और आघात): Individuals who have suffered trauma or social alienation may be more susceptible to terrorist ideologies.

जो व्यक्ति आघात या सामाजिक परायापन का शिकार होते हैं, वे आतंकवादी विचारधाराओं के प्रति अधिक संवेदनशील हो सकते हैं।

5. Geopolitical Factors and Foreign Intervention (भूराजनैतिक कारण और विदेशी हस्तक्षेप): Foreign interventions or geopolitical tensions can lead to resentment, fostering terrorism as a form of resistance.

विदेशी हस्तक्षेप या भूराजनैतिक तनाव नाराजगी पैदा कर सकते हैं, जिससे आतंकवाद प्रतिरोध के रूप में बढ़ता है।

6. Media and Propaganda (मीडिया और प्रचार): Terrorist groups use media to spread propaganda, recruit members, and justify violent acts.

आतंकवादी समूह मीडिया का उपयोग प्रचार फैलाने, सदस्य भर्ती करने और हिंसक कृत्यों को सही ठहराने के लिए करते हैं।

7. Failure of Governance and Corruption (शासन का विफल होना और भ्रष्टाचार): Weak governance and corruption create a lack of trust in the state, making individuals more susceptible to extremist groups.

कमजोर शासन और भ्रष्टाचार राज्य में विश्वास की कमी उत्पन्न करते हैं, जिससे व्यक्ति कट्टरपंथी समूहों के प्रति अधिक संवेदनशील हो सकते हैं।

8. Historical Grievances and Revenge (ऐतिहासिक शिकायतें और प्रतिशोध): Historical injustices or wars may fuel a desire for revenge, leading to terrorism as a form of retaliation.

ऐतिहासिक अन्याय या युद्ध प्रतिशोध की इच्छा को बढ़ावा दे सकते हैं, जिससे आतंकवाद प्रतिशोध के रूप में उत्पन्न होता है।

Conclusion (निष्कर्ष): Terrorism is driven by a combination of political, social, economic, and psychological factors. Understanding these causes is crucial for combating terrorism effectively.

आतंकवाद राजनीतिक, सामाजिक, आर्थिक और मानसिक कारणों का मिश्रण है। इन कारणों को समझना आतंकवाद से प्रभावी रूप से निपटने के लिए महत्वपूर्ण है।

Underline the problems encountered by the rural labourers in India.

भारत में ग्रामीण मजदूरों के सामने आने वाली समस्याओं को रेखांकित कीजिए।

1. Low Wages (कम वेतन):

Rural labourers often receive very low wages for their work. Despite working long hours, the pay is insufficient to meet basic needs, leading to poverty and economic instability.

ग्रामीण मजदूरों को अक्सर उनके काम के लिए बहुत कम वेतन मिलता है। लंबे घंटों तक काम करने के बावजूद, वेतन बुनियादी जरूरतों को पूरा करने के लिए अपर्याप्त होता है, जिसके परिणामस्वरूप गरीबी और आर्थिक अस्थिरता होती है।

2. Lack of Job Security (रोजगार सुरक्षा की कमी):

Many rural labourers are employed on a temporary or seasonal basis, with no job security. This leads to uncertainty in income and poor working conditions.

कई ग्रामीण मजदूर अस्थायी या मौसमी आधार पर काम करते हैं, जिससे रोजगार सुरक्षा की कमी होती है। इसके परिणामस्वरूप आय में असमर्थता और खराब कार्य परिस्थितियाँ होती हैं।

3. Exploitation by Employers (नियोक्ताओं द्वारा शोषण):

Rural workers are often exploited by employers who pay them unfairly or undercut their wages. This exploitation is prevalent in sectors like agriculture, where middlemen and contractors take advantage of workers.

ग्रामीण मजदूरों का अक्सर शोषण होता है, जहां नियोक्ता उन्हें अनुचित तरीके से वेतन देते हैं या उनके वेतन में कटौती करते हैं। यह शोषण कृषि जैसे क्षेत्रों में प्रचलित है, जहां बिचौलिये और ठेकेदार मजदूरों का शोषण करते हैं।

4. Poor Working Conditions (खराब कार्य परिस्थितियाँ):

Rural labourers frequently work in harsh and unsafe conditions, particularly in agriculture and construction. They lack proper tools, protective gear, and access to healthcare, making their work both physically and mentally taxing.

ग्रामीण मजदूर अक्सर कठोर और असुरक्षित परिस्थितियों में काम करते हैं, विशेष रूप से कृषि और निर्माण कार्यों में। उनके पास उचित उपकरण, सुरक्षा गियर और स्वास्थ्य देखभाल की सुविधा नहीं होती, जिससे उनका काम शारीरिक और मानसिक रूप से अत्यधिक कठिन हो जाता है।

5. Lack of Education and Skill Development (शिक्षा और कौशल विकास की कमी):

Many rural workers have low levels of education and lack the necessary skills to secure better-paying jobs. This lack of education limits their opportunities for upward mobility.

कई ग्रामीण मजदूरों का शिक्षा स्तर कम होता है और उनके पास बेहतर वेतन वाले कार्यों को प्राप्त करने के लिए आवश्यक कौशल की कमी होती है। शिक्षा की कमी उनकी ऊपर उठने की संभावनाओं को सीमित कर देती है।

6. Gender Discrimination (लिंग भेदभाव):

Women rural workers face additional challenges, including lower wages than men for the same work, limited access to resources, and social discrimination. Gender bias further marginalizes their position in society.

महिला ग्रामीण मजदूरों को अतिरिक्त समस्याओं का सामना करना पड़ता है, जिसमें समान काम के लिए पुरुषों से कम वेतन, संसाधनों तक सीमित पहुंच, और सामाजिक भेदभाव शामिल हैं। लिंग भेदभाव उनके सामाजिक स्थान को और भी हाशिये पर डालता है।

7. Lack of Access to Credit (ऋण तक पहुँच की कमी):

Rural labourers often have limited access to credit facilities. This restricts their ability to invest in better tools, education, or small businesses, trapping them in a cycle of poverty.

ग्रामीण मजदूरों को अक्सर ऋण सुविधाओं तक सीमित पहुँच होती है। इससे उन्हें बेहतर उपकरणों, शिक्षा या छोटे व्यवसायों में निवेश करने की क्षमता में कमी आती है, जो उन्हें गरीबी के चक्र में फंसा देती है।

8. Absence of Social Security (सामाजिक सुरक्षा का अभाव):

Rural workers are typically not covered by social security programs, such as pensions or healthcare benefits. In times of illness or old age, they have no financial safety net.

ग्रामीण मजदूर आमतौर पर सामाजिक सुरक्षा कार्यक्रमों से वंचित होते हैं, जैसे पेंशन या स्वास्थ्य देखभाल लाभ। बीमारी या वृद्धावस्था में, उनके पास कोई वित्तीय सुरक्षा नहीं होती है।

9. Seasonal Employment (मौसमी रोजगार):

Most rural labor is seasonal, which means workers only find employment during certain times of the year. This leads to unstable income and job insecurity during off-seasons.

अधिकांश ग्रामीण श्रमिकता मौसमी होती है, जिसका अर्थ है कि मजदूर केवल वर्ष के कुछ समयों के दौरान ही रोजगार प्राप्त करते हैं। इससे अस्थिर आय और ऑफ-सीजन के दौरान रोजगार असुरक्षा होती है।

Conclusion (निष्कर्ष):

In conclusion, rural labourers in India face numerous challenges such as low wages, exploitation, poor working conditions, and lack of access to education and healthcare. These problems require urgent attention to improve their living standards and economic security.

अंत में, भारत में ग्रामीण मजदूरों को कम वेतन, शोषण, खराब कार्य परिस्थितियों, और शिक्षा और स्वास्थ्य देखभाल तक सीमित पहुँच जैसी कई समस्याओं का सामना करना पड़ता है। इन समस्याओं का समाधान उनकी जीवन स्तर और आर्थिक सुरक्षा में सुधार के लिए तत्काल ध्यान देने की आवश्यकता है।